रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

पुस्तकालयों की जीवंतता कायम रखना एक चुनौती–कुलपति प्रो. मिश्र

पुस्तकालय विज्ञान विभाग मे राष्ट्रीय वेबिनार संपन्न

जबलपुर 17 मई। शैक्षणिक जगत के लिए पुस्तकालयों का महत्व प्राचीन काल से रहा है। ज्ञानार्जन के लिए पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं हो सकता। कोरोना जैसी महामारी व लॉकडाउन की स्थिति में पुस्तकालयों की जीवंतता कायम रखना एक चुनौती है। वर्तमान स्थिति में पुस्तकालयों की जीवंतता बनाये रखने हेतु पुस्तकालय विज्ञान के विषय विशेषज्ञों के विचारों एवं सुझावों का पालन किया जाना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए अपरिहार्य एवं आवश्यक भी है। उक्त उद्‌गार मान. कुलपति प्रो कपिल देव मिश्र ने ''**महामारी की स्थिति में पुस्तकालयों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयोग, मुद्दे एवं चुनौतियां**'' विषय पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार में व्यक्त किए। वेबिनार किया गया था। महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो आर पी बाजपेई ने परंपरागत व डिजिटल लाइब्रेरी की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में परंपरागत पुस्तकालयों के सुचारू रूप से संचालन हेतु आवश्यक मापदंडों पर विचार किया जाना होगा जिसके लिए मानव संसाधन व वित्तीय संसाधनों की मुख्य भूमिका होगी। लाइब्रेरी के कर्मचारियों के साथ ही साथ उपयोक्ताओं को सुरक्षित रखते हुए पुस्तकालयों का संचालन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पुस्तकालय विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. एच.के. चक्रवर्ती ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करते है। आज सोशल मीडिया के माध्यम से सूचनाओं का अत्यधिक प्रसार हो रहा है किन्तु शिक्षा जगत के लिए विश्वसनीय व सन्दर्भ सहित ज्ञान केवल पुस्तकालयों से ही प्राप्त हो सकता है। पुस्तकालय लॉकडाउन हैं किन्तु पुस्तकालयाध्यक्ष नहीं। पुस्तकालयी सेवाएं निरंतर चल रही हैं आवश्यकता इस बात की है कि लॉकडाउन के बाद पुस्तकालयों के संचालन सम्बन्धी विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिया जाना होगा। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, कोलकाता के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ वी. आर. तिवारी ने लॉकडाउन के दौरान व उसके बाद जैसे सैनिटाईजेशन, सामाजिक दूरी आदि के पालन के साथ पुस्तकालयों के संचालन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ मनीष कुमार बाजपेयी ने कोरोना महामारी अवधि में पाठ्य सामग्रियों के इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में वितरण में कॉपीराइट व साहित्यिक चोरी जैसी समस्याओं का उल्लेख करते हुए आवश्यक कानूनी नियमों पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय वेबिनार के समन्वयक पुस्तकालय एवं सूचना

विज्ञान के प्रभारी प्रो. राजीव दुबे, संयोजक डॉ सत्य प्रकाश त्रिपाठी व सह संयोजक श्रीमती लीना हल्दकार ने उक्त वेबिनार का आयोजन किया जिसमें देश विदेश के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के शिक्षकों, पुस्तकालय प्रोफेशनल्स एवं छात्र छात्राओं की लगभग १०० प्रतिभागियों सहभागिता रही।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ / क्रमांक / 882 / 17.05.2020